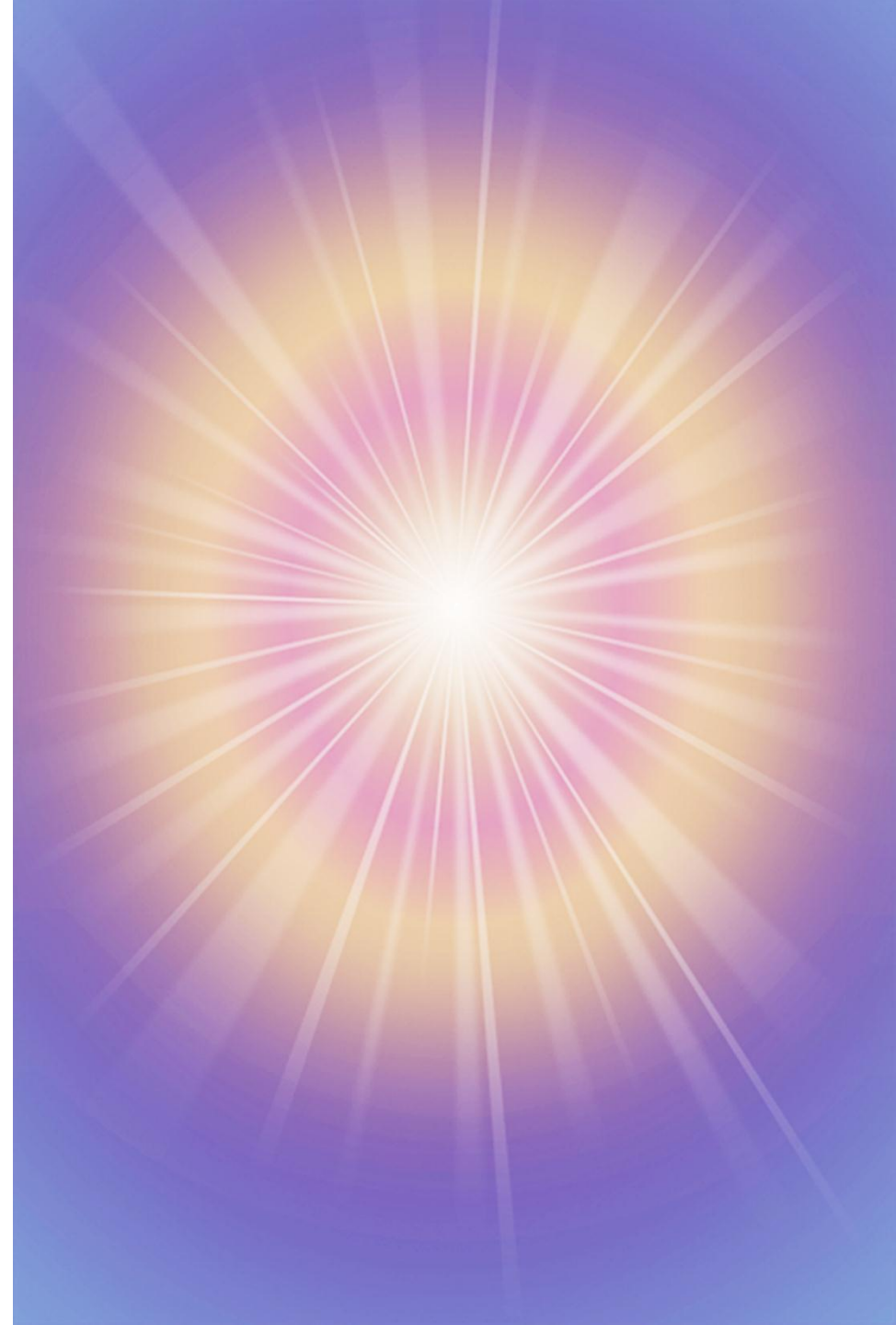
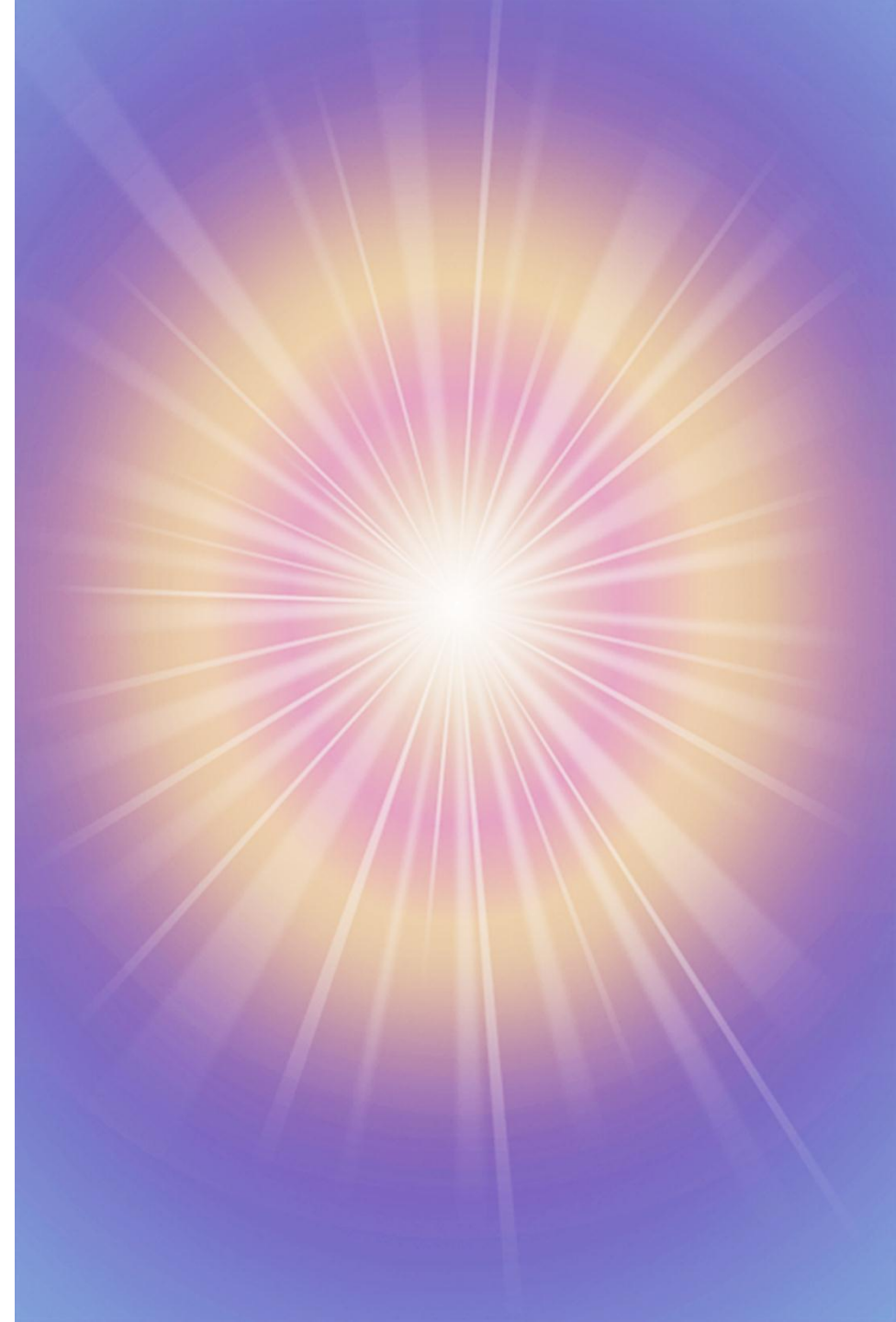


# Baba's Praise

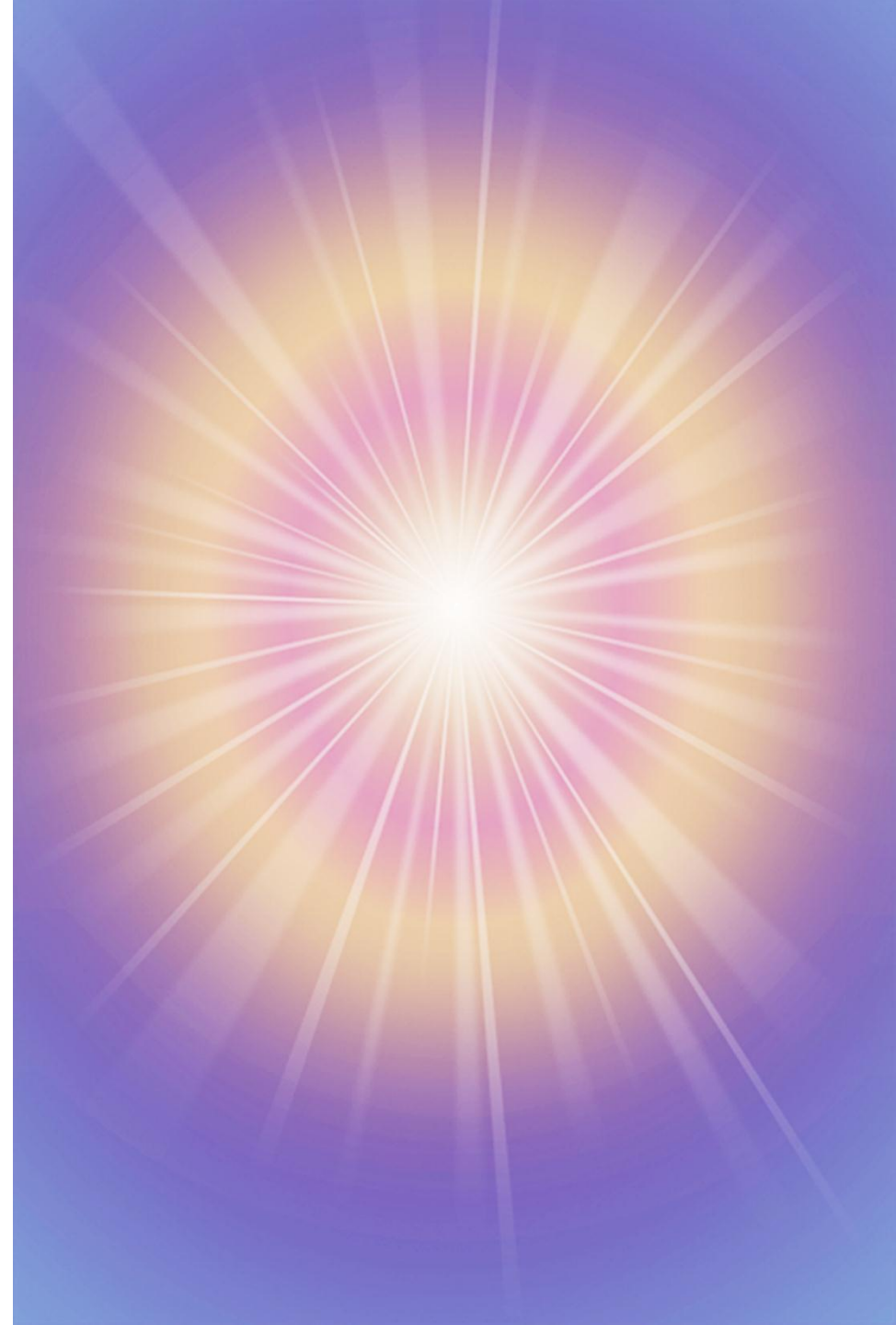
16/2/2015



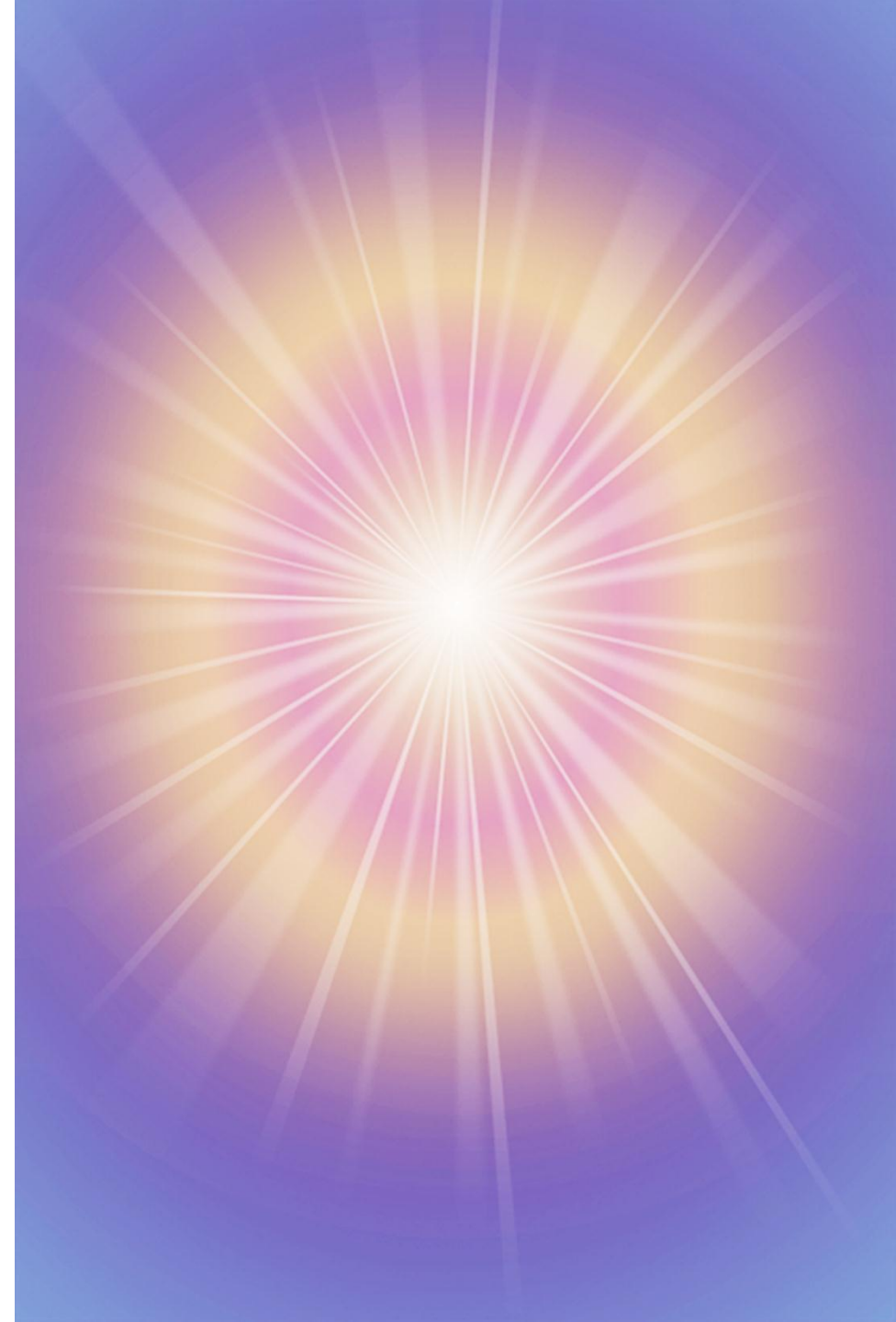
- हम बेहद के बाप से वर्सा ले रहे हैं ।  
यह बुद्धि में याद रखना है ।
- हमारा जन्म होगा अमरलोक में ।  
शिवबाबा को अमरनाथ भी कहते हैं ।  
वह हमको अमर कहानी सुना रहे हैं,  
वहाँ हम शरीर में होते भी अमर रहेंगे ।
- बाबा को भी कहा जाता है-सौदागर-  
रत्नागर । रत्नों का सौदा करते हैं  
फिर जादूगर भी हैं क्योंकि उनके पास  
ही दिव्य दृष्टि की चाबी है ।



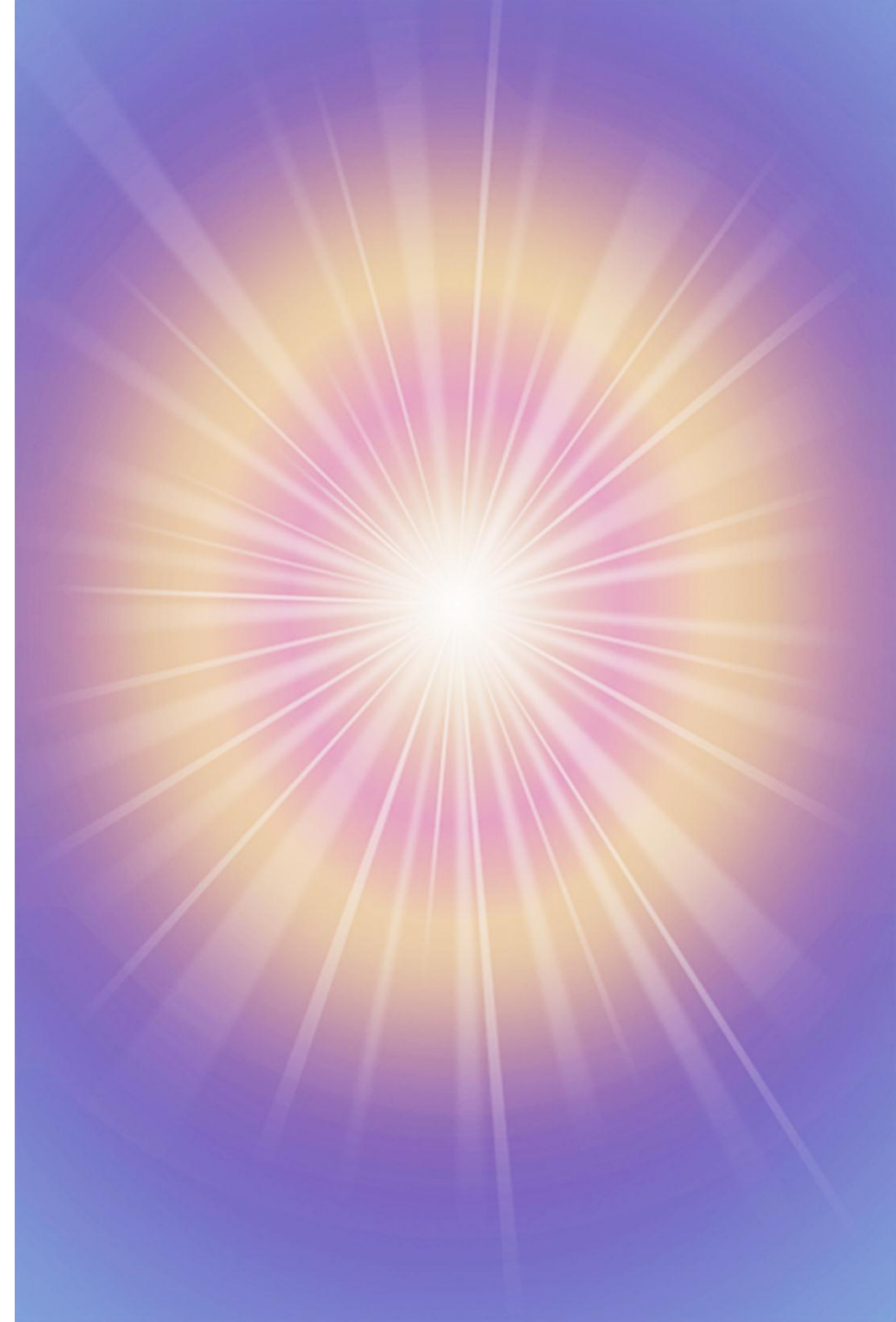
- यह है रूहानी नॉलेज, जो रूहानी बाप समझाते हैं । यह है त्रिमूर्ति ब्रह्मा, विष्णु, शंकर ।
- यह भी रचना है । रचयिता एक बाप हैं, वह होते हैं हृद के क्रियेटर, यह हैं बेहद का बाप, बेहद का क्रियेटर ।
- बाप बैठकर पढ़ाते हैं, मेहनत करनी होती है । बाप गुल-गुल (फूल) बनाते हैं ।



- बाप बैठ कर्म, अकर्म, विकर्म की गति समझाते हैं ।
- तम बाप से नई दुनिया का वर्सा लेते हैं । बाप हैं ही दुःख हर्ता सुख कर्ता ।
- भक्ति मार्ग की सामग्री बड़ी लम्बी-चौड़ी है । जैसे झाड़ कितना लम्बा-चौड़ा है । इसका बीज है बाबा । यह उल्टा झाड़ है ।



- इस देवी-देवता धर्म के स्थापक को कोई नहीं जानते । कृष्ण तो बच्चा है । ज्ञान सुनाने वाला है बाप । तो बाप को उड़ाए बच्चे का नाम डाल दिया है ।
- बाप कहते हैं लीला कोई कृष्ण की नहीं है । गाते भी हैं-हे प्रभ तेरी लीला अपरम- अपार है । लीला एक की ही होती है । शिवबाबा की महिमा बड़ी न्यारी है । वह तो है सदा पावन रहने वाला, परन्तु वह पावन शरीर में तो आ न सके । उनको बुलाते ही हैं-पतित दुनिया को आकर पावन बनाओ । तो बाप कहते हैं मुझे भी पतित दुनिया में आना पड़ता है । इनके बहुत जन्मों के अन्त में आकर प्रवेश करता हूँ ।



- मुझे शरीर है तब सब कुछ करता हूँ ।  
करनकरावनहार भी तब कहते हैं । नहीं  
तो कह न सकें । मैं जब इसमें आऊँ तब  
आकर पावन बनाऊँ ।
- तुम बच्चे इस समय सच्चे साहेब को  
जानते हो ।
- बेहद का बाप आकर बेहद का वर्सा देते हैं  
। गीत भी है-बाबा आप जो देते हो सो  
कोई दे न सके । आप हमको विश्व का  
मालिक बनाते हो, जिसको कोई लूट न  
सके ।

